FREEMIND

Date

Page

Independent Variable

मनोवैज्ञानिक प्रयोगों में व्यवहार होने वाले चरों ~~के~~ व्यवहार में स्वतंत्र चर का व्यवहार "आवश्यक रूप से किया जाता है किसी घटना के कारण को स्वतंत्र चर कहते हैं। अर्थात जो चर किसी दूसरे चर या चरों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है, उसे स्वतंत्र चर कहते हैं। Townsend, 1953; ने चर को परिभाषित करते हुए कहा है कि "स्वतंत्र चर वह कारक है, जिसे प्रयोगकर्ता एक निश्चित घटना के साथ इसके संबंध का पता लगाने हेतु परिचालित करता है"

स्वतंत्र चर को प्रयोगकर्ता आवश्यकतानुसार परिचालित तथा उसका चयन करता है। जैसे - ज्ञान अवधि की लम्बाई में कमी - बेशी करके, प्रयोज्य को पुरस्कार देकर, प्रयोज्य में चिन्ता या ध्यान उत्पन्न कर, अथवा परिणाम का ज्ञान देकर स्वतंत्र चर को परिचालित किया जा सकता है, तथा प्रत्येक चर के प्रभाव को निर्धारित किया जा सकता है। इसी अर्थ में स्वतंत्र चर को परिचालित स्वतंत्र चर को सक्रिय चर भी कहते हैं इसे type-E independent Variable भी कहते हैं।

Scanned with CamScanner

FREEMIND

Date
Page

Hill, 1980; ने स्वतंत्र चर को परिभाषित करते कहा है कि " स्वतंत्र चर वे चर हैं जिनके प्रभाव का अध्ययन किया जा रहा है तथा जिनमें प्रयोगकर्त्ता जोड़-तोड़ भी करता है।

लेकिन सभी प्रयोगों में स्वतंत्र चर या चरों को परिचालित करना संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में स्वतंत्र चर या चरों का चयन किया जाता है। ऐसे स्वतंत्र चरों को गुण चर कहते हैं। इसे type-S independent variable भी कहा जाता है। बुद्धि, यौन, रुझान, सामाजिक आर्थिक स्थिति आदि इसी प्रकार के स्वतंत्र चर हैं। प्रयोगकर्ता ऐसे चर या चरों को कारण के रूप में व्यवहार करके उनके प्रभावों का पता लगाने का प्रयास करता है। अतः स्वतंत्र चर ऐसे चर को कहते हैं जो कभी परिचालन द्वारा और कभी चयन द्वारा प्राप्त किया जाता है और जिसका प्रभाव प्रयोगकर्त्ता द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। इस अर्थ में D. Amato, 1970; द्वारा दी गयी परिभाषा अधिक समग्र तथा संतोषजनक है।

Scanned with CamScanner

FREEMIND

Date

Page

D. Amato, 1970; के अनुसार "सामान्यतः स्वतंत्र चर वह चर है, जिसके प्रभावों को व्यवहार सम्बन्धी माप पर निर्धारित करने हेतु, उसका परिचालन प्रयोगकर्ता प्रत्यक्ष रूप से या चयन द्वारा करता है।"

Kerlinger ने भी इसी अर्थ में स्वतंत्र चर को परिभाषित करते हुए कहा है कि स्वतंत्र चर चाहे परिचालित हो या अपरिचालित हो, हर हालत में वह किसी घटना का कारण होता है। उनके शब्दों में, "स्वतंत्र चर किसी आश्रित चर अर्थात अनुमानित प्रभाव या अनुमानित कारण होता है।" प्रयोग करते समय तीन प्रकार के स्वतंत्र चर सक्रिय रहते हैं — प्राणी-चर, उत्तेजना-चर, प्रतिक्रिया-चर। ऐसे स्वतंत्र चरों को प्राणी-चर कहते हैं, जिनका संबंध प्रयोज्य अर्थात उस पशु या मनुष्य से है जिस पर प्रयोग किया जाता है। प्राणी चर के उदाहरण में बुद्धि, यौन, प्रेरणा, थकान, चिन्ता, अभ्यास आदि। उत्तेजना चर ऐसे उत्तेजना चर को कहते हैं जिनका संबंध अध्ययन विषय अर्थात अधिगम सामग्री से होता है। विषय की कठिनाई, सरलता, जटिलता, लम्बाई, निरर्थकता आदि उत्तेजना-चर के उदाहरण हैं।

Scanned with CamScanner

FREEMIND

Date

Page

ऐसे स्वतंत्र चरों को प्रतिक्रिया-चर कहते हैं, जिनका संबंध उस प्रयोगात्मक परिस्थिति से है, जिसमें प्रयोज्य प्रतिक्रिया करता है। प्रयोग के समय वातावरण में उपस्थित शोरगुल, सर्दी-गर्मी आदि ऐसे चरों के उदाहरण हैं।

Dr. Om Prakash Keshri
Deptt of Psychology
Maharaja College
ARA.

Scanned with CamScanner